खबर संक्षेप

विषम हालातों को मात देकर सहायक प्राध्यापक बने पितृस धुर्वे

भुआबिछिया। मवई विकासखंड के ग्राम मनोरी के युवा पितृस धुर्वे के सहायक प्राध्यापक पद पर चयनित होने के बाद प्रथम गृह आगमन पर रविवार को ग्रामवासियों ने भव्य रैली निकालकर उनका आत्मीय स्वागत किया। माता-पिता का साया बचपन में ही उठ जाने के बाद पितृस ने आर्थिक तंगी और कठिन संघर्षों के बीच पढ़ाई जारी रखी। अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने सहायक प्राध्यापक की परीक्षा उत्तीर्ण कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। स्वागत रैली में.ढोल-नगाड़ों के साथ युवाओं ने पितृस को फूल-मालाओं से लाद दिया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य अनंत सिंह, दिनेश धुर्वे, अंतराम परते, सुखदेव परते, लक्ष्मण मरकाम, श्रीमती लामिया बाई, डॉ. सोन सिंह नेताम, संतोष तेकाम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि पितृस की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने साबित किया कि लगन और परिश्रम से कोई भी मंजिल दूर नहीं। इस अवसर पर पितृस धुर्वे ने सभी शुभचिंतकों का आभार जताया और युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। पितृस धुर्वे उपलब्धि सहायक प्राध्यापक पद पर चयन, जनपद सदस्य अनंत (अंतु) राठौर शुभकामनायें देते हुये ने कहा माता-पिता के बिना,संघर्ष कर हासिल की सफलता, कठिनाइयां मेहनत के आगे टिक नहीं सकतीं।

विषय विशेषज्ञ शिक्षकों को गैर शिक्षकीय कार्य से मुक्त करने की मांग

निर्देशों की क्यों की जा रही अनदेखी

* अतिथि शिक्षकों के सहारे ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

आदिवासी बाहुल्य जिला मण्डला जहां एक ओर शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहा है, वहीं दूसरी ओर जिले में अनेक शिक्षकों को गैर शिक्षकीय कार्यों में संलग्न किए जाने से शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। जिले के कई स्कूल वर्तमान में शिक्षक विहीन होकर अतिथि शिक्षकों के भरोसे संचालित हो रहे हैं। इसके बावजूद विज्ञान विषय के शिक्षकों को भी गैर शिक्षकीय कार्यों में लगाए जाने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि विज्ञान एवं गणित विषय के शिक्षकों को गैर शिक्षकीय कार्यों में संलग्न न किया जाए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। इसके बावजूद मण्डला जिले में इन निर्देशों की अनदेखी किए जाने की चर्चा विभाग में लगातार बनी हुई है।

विभागीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला शिक्षा केन्द्र में विज्ञान विषय के दो शिक्षकों को एपीसी पद पर प्रतिनियुक्ति पर आए थे। बताया जा रहा है कि उक्त दोनों शिक्षक अब अपने मूल पद पर वापस जाकर विद्यालयों में अध्यापन कार्य करना चाहते हैं। इस संबंध में उन्होंने तत्कालीन कलेक्टर को आवेदन प्रस्तुत कर अपने मूल पद पर लौटने की अनुमति मांगी थी। सूत्रों के अनुसार तत्कालीन कलेक्टर द्वारा उन्हें मूल पद पर लौटने की अनुमति एवं अनुमोदन भी प्रदान कर दिया गया था। इसके बावजूद लगभग एक से दो माह बीत जाने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा शिक्षकों को रिलीव नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा लगातार "एक-दो दिन में रिलीव कर दिया जाएगा" कहकर मामला टाला जा रहा है। इस स्थिति से संबंधित शिक्षक मानसिक रूप से परेशान बताए जा रहे हैं।

विभाग में इस बात को लेकर चर्चा है कि जब शिक्षक स्वयं विद्यालय में जाकर अध्यापन कार्य करना चाहते हैं, तब उन्हें रिलीव करने में देरी क्यों की जा रही है। वहीं यह भी सवाल उठ रहे हैं कि शासन के निर्देशों के बावजूद विज्ञान शिक्षकों को गैर शिक्षकीय कार्यों में बनाए रखने के पीछे आखिर क्या कारण हैं।

जिले में विज्ञान शिक्षकों की कमी को देखते हुए शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि संबंधित शिक्षकों को शीघ्र उनके मूल पद पर भेजने हेतु जिला शिक्षा केन्द्र को निर्देशित किया जाए, ताकि संबंधित विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके।

इनका कहना है -

इस संबंध में मैंने जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) को दो-तीन बार अवगत कराया है, लेकिन अब तक संबंधित शिक्षकों को उनके मूल विद्यालयों में शैक्षणिक कार्य के लिए कार्यमुक्त नहीं किया गया है। डीपीसी द्वारा केवल एक-दो दिन में रिलीव करने का आश्वासन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को समय पर विद्यालयों में नहीं भेजना प्रशासनिक लापरवाही का परिचायक है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होगी। शीघ्र आवश्यक कार्रवाई कर शिक्षकों को उनके विद्यालयों में कार्यभार ग्रहण कराने हेतु निर्देश दिये जाए रहे हैं।

इंजी. कमलेश तेकाम
उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, शिक्षा समिति जिला पंचायत मण्डला

मंडला में नर्मदा नदी में मिला शख्स का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के राजराजेश्वरी वार्ड में नर्मदा नदी से एक शख्स का शव मिला है। सोमवार दोपहर को स्थानीय लोगों ने नदी में शव देखकर तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी थी। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस और राज्य आपदा आपातकालीन प्रतिक्रिया बल (एसडीईआरएफ) की टीम मौके पर पहुंची। एसडीईआरएफ के जवानों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर शव को नदी से बाहर निकाला और कोतवाली पुलिस के सुपुर्द किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा बनाया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। शुरुआती जांच में मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस अब आसपास के थानों से संपर्क कर रही है और हाल ही में दर्ज हुई गुमशुदगी की रिपोर्टों के आधार पर शव की शिनाख्त करने की कोशिश में जुटी है।

चुटका परियोजना विवाद को शांत कराने में राजस्व एवं पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण

मण्डला। दिनांक 1.6.2026 को चुटका परियोजना के अंतर्गत ग्राम मानेगांव में कॉलोनी निर्माण के चिन्हित भूमि का सीमांकन करने हेतु राजस्व एवं चुटका परियोजना के दल के द्वारा मौके पर उपस्थित होने पर सीमांकन प्रारंभ करने के पूर्व ग्राम वासियों द्वारा उग्र रूप से विरोध प्रदर्शन प्रारंभ कर दिया गया और सीमांकन कार्य रोक दिया गया जो मौके पर तहसीलदार नारायणगंज श्री हरि सिंह धुर्वे एवं थाना टिकरिया थाना प्रभारी प्रदीप पांडेय एवं पुलिस बल की उपस्थिति में ग्राम वासियों को ग्राम पंचायत मानेगांव में बैठाल कर उनकी समस्याओं को तहसीलदार नारायणगंज द्वारा समझा गया और निदान हेतु मौके पर ही आवेदन पत्र प्राप्त करके आश्वासन दिया गया है इसके बाद सीमांकन कार्य प्रारंभ कराया गया है।

सड़क निर्माण कार्य को लेकर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, सड़क पर किया चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मण्डला-डिण्डौरी मार्ग पर कल उस समय अफरा-तफरी मच गई जब रसैयादौना ग्राम की महिलायें पानी के खाली बर्तन लेकर सड़क पर बैठ गई और आवागमन बाधित कर दिया। इन महिलाओं के साथ स्थानीय लोग भी थे जो कि सड़क निर्माण कार्य से दुखित होकर चक्काजाम में सहयोग कर रहे थे प्रदर्शन कर रही महिलाओं का आरोप था कि सड़क निर्माण कार्य के चलते पेयजल पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हुई है और पिछले 15 दिनों से उन्हें पानी नहीं मिल पा रहा। क्षेत्र में मात्र एक हेण्डपम्प है उसमें से भी थोड़े समय बाद गंदा पानी निकलने लगता है ऐसे में इस भीषण गर्मी में हम अपने परिवारों के लिये पानी की व्यवस्था कहां से करें।

जैसे ही चक्काजाम की खबर जिले मुख्यालय तक पहुंची आनन-फानन में जिले के अधिकारी एवं पीएचई विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और अधिकारियों ने शीघ्र ही पेयजल सुविधा प्रारंभ करने की बात कहते हुये चक्काजाम समाप्त करने को कहा लेकिन महिलायें नहीं मानी उन्होंने कहा कि पहले सुधार कार्य किया जाये पेयजल योजना पहले की तरह प्रारंभ हो उसके बाद ही चक्काजाम बंद होगा।

पीएचई विभाग द्वारा तुरंत क्षतिग्रस्त पाईप लाईन में सुधार कार्य प्रारंभ किया गया और पेयजल सुविधा ग्रामीणों को उपलब्ध कराई गई इसके बाद ही चक्काजाम समाप्त हुआ।

ज्ञात हो कि इस क्षेत्र की पुरानी और अच्छी स्थिति की सड़क को एक वर्ष पूर्व ही खोद दिया गया था और आज दिनांक तक सड़क का निर्माण नहीं हुआ है बस कहीं कार्य के नाम पर मशीनों से पाईप लाईन क्षतिग्रस्त की जाती है तो कभी फलदार वृक्षों के जमींदोज कर दिया जाता है लेकिन निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा।

राशि पमनानी पीएचडी की उपाधि से विभूषित

* स्वस्थ शरीर,डाइट प्लान एवं थैरेपी विषय पर किया शोध।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

सुभाष वार्ड निवासी राशि पमनानी ने स्वास्थ्य, ओम मंत्र, डाइट प्लान एवं थैरेपीस के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने जोरोएस्ट्रियन कॉलेज, मुंबई से सत्र 2025-26 में पीएचडी का पाठ्यक्रम पूर्ण किया। मुंबई में आयोजित कॉलेज के दीक्षांत समारोह में राशि पमनानी को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन डॉ. चन्द्राकृष्ण मूर्ति, प्रेसीडेंट मास्टर मेहर मूस सहित कॉलेज प्रबंधन के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। राशि पमनानी ने बताया कि कोरोना काल के दौरान उन्हें शारीरिक बीमारियों एवं स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसी अनुभव ने उन्हें स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनाया और उन्होंने "डाइट प्लान फॉर हेल्थ" विषय पर शोध कार्य करते हुए पीएचडी पूर्ण की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान करने, मेडिसिन फ्री लाइफ जीने एवं बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का कार्य करेंगी। राशि पमनानी नगर के प्रतिष्ठित कपड़ा व्यवसायी रितेश पमनानी की पत्नि हैं। उनकी इस उपलब्धि पर इष्ट जनों ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

बैठक | **समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश**

टीएल पत्रों को गंभीरता से लें-कलेक्टर

* वरिष्ठ अधिकारी स्वयं इसका फॉलोअप लें।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने समय-सीमा और विभागीय समन्वय समिति की बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि टीएल पत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी स्वयं इनका फॉलोअप लें और निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में खरीफ सीजन की तैयारी, सीएम हेल्पलाइन, स्वास्थ्य, पुनर्वास और शासन की अन्य प्राथमिक योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

खरीफ तैयारी और किसान कल्याण पर जोर

खरीफ सीजन को देखते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने उर्वरक वितरण व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को ई-टोकन के माध्यम से ही समय पर उर्वरक उपलब्ध कराया जाए ताकि अंतिम छोर तक पारदर्शिता बनी रहे। सहकारिता विभाग को निर्देशित किया कि 4,500 मीट्रिक टन उर्वरक का समय पर मार्कफेड से उठाव कराया जाए जिससे अतिरिक्त भंडारण हो सके और किसानों को कमी का सामना न करना पड़े। इस सीजन में एनपीके उर्वरक के संतुलित उपयोग के लिए किसानों को जागरूक करने की बात भी कही। फार्मर रजिस्ट्री की धीमी प्रगति पर असंतोष जताते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि जिले का प्रतिशत प्रदेश औसत से आधा है। सभी एसडीएम को नियमित मॉनिटरिंग कर कार्य की गति बढ़ाने के सख्त निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन में निम्न गुणवत्ता वाली शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक बंद कराएं

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि किसी भी स्थिति में शिकायत 'नॉन अटेंड' श्रेणी में न जाए। निम्न गुणवत्ता के कारण बंद की गई शिकायतों को री-ओपन कर संतुष्टिपूर्वक निपटाया जाए। 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान देने और उनकी संख्या घटाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि राजस्व, जनजातीय कार्य, विज्ञान-प्रौद्योगिकी और श्रम विभाग में शिकायतों की संख्या अधिक है, इसलिए संबंधित विभाग विशेष सतर्कता बरतें।

स्वास्थ्य, पुनर्वास और अन्य योजनाओं की प्रगति

बैठक में स्वास्थ्य क्षेत्र की सराहना करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने गर्भवती महिलाओं के एएनसी चेकअप में 86 प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने पर सीएमएचओ टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगति अच्छी है, लेकिन नगरीय क्षेत्रों में और फोकस बढ़ाने की जरूरत है। चुटका परमाणु परियोजना की आर एंड आर कॉलोनी में शिफ्ट हुए 75 परिवारों के पुनर्वास कार्यों की समीक्षा करते हुए गैस कनेक्शन, आजीविका साधन, स्कूल और आंगनबाड़ी संचालन के निर्देश दिए। इसके साथ ही सीएम मानिट, धरती आबा, पीएम जनमन, योग दिवस, उपार्जित गेहूं परिवहन, ग्राम दिवस, मानसून पूर्व तैयारी, पेयजल और सड़क निर्माण जैसे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश जारी किए। बैठक में अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, सहायक कलेक्टर शैलेंद्र चौधरी, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, संस्कार बावरिया सहित सभी जिलाधिकारी योजना भवन में उपस्थित रहे। एसडीएम बिछिया, समस्त सीईओ जनपद पंचायत एवं बीएमओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्देशन में म.प्र. शिक्षक संघ मंडला की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

रानी अवंती बाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंडला में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। जिसमें जबलपुर सहित जिले के विभिन्न विकासखंडो व तहसीलों से संघ के पदाधिकारी सम्मिलित हुए। बैठक के दौरान टेट परीक्षा के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए एकमत से प्रस्ताव पारित किया गया कि शिक्षकों के लिए अनिवार्य की गई टीचर्स एंट्रेंस परीक्षा को पूर्ण रूप से निरस्त किया जावे। इस हेतु पूरे देश में एक अभियान के रूप में रणनीति बनाकर राज्य और केंद्र सरकार से आग्रह किया जावे की वह माननीय न्यायालय के समक्ष पुनः अध्यादेश लाकर उक्त आदेश में परिवर्तन करने का आवश्यक कार्य करें। अनुकंपा नियुक्ति एवं शिक्षकों से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर भी बैठक में विभिन्न पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार रखते हुए संगठन की आवश्यकता पर बल दिया। संगठन की बैठक के दौरान विकासखंड मवई से श्री मरावी, नैनपुर विकासखंड से निखिल पटेल, बिछिया से पधारे श्री ने भी संबोधित किया। जिला स्तरीय इस बैठक में महिला प्रकोष्ठ से निहारिका उइके, रितु सिंगौर, श्रीमती शुक्ला, श्रीमती मरावी सहित विभिन्न मातृशक्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को अखिलेश चंद्रौल, दिनेश दुबे, सोबत राम कुर्वती, अवधेश कछवाहा, घनश्याम चौरसिया आदि साथियों ने संबोधित किया। मुख्य विशिष्ट अतिथि के रूप में जबलपुर से पधारे डी.सी. अहिरवार, सुरेंद्र रिछारिया, दिनेश मिश्रा एवं डॉक्टर अजय तिवारी ने भी विभिन्न मुद्दों पर आवश्यक रणनीति बनाने के लिए अपने विचार कार्यक्रम के संबंध में रखें। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ मंडला के युवा एवं जुझारू जिला अध्यक्ष विवेक शुक्ला ने उपस्थित समस्त पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि शिक्षा के क्षेत्र और शिक्षकों के हितों में उनके प्रयास सदैव जारी रहेंगे। उल्लेखनीय है कि श्री शुक्ला जिले के किसी भी शिक्षक- शिक्षिका की समस्या को व्यक्तिगत समस्या के रूप में लेते हुए उसके समाधान के लिए सदैव तैयार रहते हैं। बैठक में विभिन्न विकासखंडों के पदाधिकारी की उपस्थिति में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी जुलाई माह से सेवानिवृत होने वाले शिक्षक साथियों का सम्मान समारोह भी मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के बैनर तले आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन योगेश चौरसिया ने किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में असीम गौतम, शान्ति मरावी, रेखा शुक्ला, बिछिया से गजराज सिंह उइके, संतोष पटेल, नंदकुमार मार्को, राजकुमार सिंगोर, अनिल मरकाम, शैल दुबे, सुनहेर धुर्वे, एन के मोरवी, भुवन श्रीवास, संतोष पटेल, विवेक साहू बीजाडांडी, संदीप कछवाहा, भगीरथ कछवाहा, कृष्णेश कछवाहा, शीलनिधि कछवाहा, अवधेश कछवाहा, संदीप विश्वकर्मा, योगेश कछवाहा सहित सभी का विशेष सहयोग रहा।

खबर संक्षेप

चार साल पुरानी बात को लेकर डंडा मारकर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। कभी कभी देखा जाता है कि लोग जिस तरह पुरानी बातों को अपने दिल में रखकर बैठते है और समय मिलने पर बदला लेने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिनों ग्राम खुलरी में देखने मिली है। जहां पर चार साल पुरानी बुराई को लेकर एक के साथ डंडे से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना के संबंध में सिहोरा पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम इमझिरी निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि वह किसी काम से खुलरी के परेड ग्राउंड गया हुआ था। वही पर प्रार्थी को ग्राम भौरझिर निवासी रम्मू कोटवार बीडी पीने के बहाने से शमशान घाट के पास ले जाकर चार साल पहले आरोपी के बेटे से हुये विवाद की बात को लेकर प्रार्थी को गंदी गंदी गालिया देते हुये ठंडे से मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

करेन्ट से युवक की मौत पर मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कुछ दिवस पहले शहर के निरंजन वार्ड में मकान निर्माण कार्य करने के दौरान करेन्ट लगने से हुई युवक की मौत को लेकर पुलिस द्वारा मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बीते हुये दिनो नगर के निरंजन वार्ड निवासी राजकुमार साहू द्वारा शेख शहाबुद्दीन पिता शेख रहीश उम्र 21 साल निवासी ग्राम छीतापार से निर्माण स्थल के समीप से निकली हुई हाई टेशन बिद्युत लाईन के पास बगैर किसी सुरक्षा उपाओं के अपने भवन निर्माण का कार्य कराया जा रहा था। इस दौरान कार्य करने वाले मजदूरो के लिये किसी तरह कोई सुरक्षा संबंधी व्यवस्था नही किये जाने के चलते शहाबुद्दीन को निर्माण कार्य करने के लिये अचानक करेन्ट लग जाने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसे उपचार हेतु जबलपुर ले जाया गया था जहां पर उसकी मौत होने पर पुलिस ने आरोपी मकान मालिक राजकुमार के खिलाफ पुलिस द्वारा मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

एक राय होकर की मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम गरधा निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह मजदूरी करने के बाद अपने साथी महेन्द्र जाटव के साथ उसकी मोटर साईकिल से जा रहा था। इसी दौरान भोला जाटव मिला और पुरानी बुराई को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थी द्वारा गालिया देने से मना किया तो आरोपी द्वारा किसी धारदार औजार से बार करते हुये चोटे पहुंचाई। इसी बीच आरोपी का दूसरा भाई सूरज जाटव भी आ गया उसके द्वारा भी गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी दोनों भाईयों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

अनाज विक्रय करने आये कृषक को ट्रेक्टर ने मारी टक्कर

गाडरवारा। क्षेत्र के सड़को पर जिस तरह अनुभव हीन लोगों द्वारा ट्रेक्टर दौड़ाये जा रहे है उसका परिणाम है कि आये दिन घटनाये घटित होना आम बात हो चुही है। कुछ इसी प्रकार से नगर के जवाहर कृषि मंडी में देखने मिला जहां पर अनाज विक्रय करने के लिये आये हुये कृषक को एक ट्रेक्टर चालक द्वार लापरवाही पूर्वक चलाते हुये टक्कर मारकर चोट पहुंचाई। घटना के संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पडरई जिला रायसेन निवासी एक कृषक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैं अपनें साथी लाल साहब राजपूत के साथ गेंहू चना बेचनें कृषी उपज मंण्डी गाडरवारा आया था। यहां के सेड नं. 8 के पास खडा था तभी एक फार्मट्रेक कम्पनी का नीले रंग के ट्रेक्टर का चालक अपनें ट्रेक्टर को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते लाया और प्रार्थी को टक्कर मारते हुये घायल कर दिया गया।

जागरूकता दिवस पर भी धूम्रपान जारी, प्रशासन की उदासीनता पर सवाल

नशा मुक्ति अभियान कागजों में सीमित, गाडरवारा में खुलेआम धूम्रपान से हालात बेपरवाह

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि प्रशासन से लेकर समाज सेवी संस्थाओं सहित एनजीओ द्वारा नशा मुक्ति के नाम पर आये दिन युवाओं को नशा से दूर रहने के लिये अनेक प्रकार के संदेश देते हुये देखा जाता है। मगर वह आयोजन सिर्फ अखबारों की सुर्खियों में छाने के आलवा और कुछ साबित होने से नही चूक पाते है। क्योंकि जिस प्रकार से देखा गया कि कल 31 मई रविवार को जहां अंतर्राष्टीय तम्बाखू व धूम्रपान निषेध दिवस होने के बाबजूद भी शासकीय कार्यालयों से लेकर सार्वजनिक स्थलों पर धडल्ले से धूर्मपान करते हुए लोग नजर आ रहे थें। सार्वजनिक स्थानों पर युवाओं को सिगरेट धुंआ के छल्ले उड़ाते हुये देखा जाना आम बात होने से नही चूक रही थी। जबकि इस बात को सभी लोग जानते है कि जहां सार्वजनिक स्थलें पर धूम्रपान करना प्रतिबंधित है। मगर इसके बाद भी इस आदेश का शायद ही कही पालन होते हुये देखा जा रहा हो..? जबकि लोगों का उम्मीद थी कि शायद प्रशासन द्वारा बीते हुये वर्षो में जिस तरह महामारी का मंजर देखे जाने बाद इस बात से भी लोगों को सचेत किया जावेगा कि धूम्रपान से कैंसर जैसी घातक बीमारी फैलाने वाली सिगरेट, जर्दे, तम्बाखु युक्त गुटकों, बिड़यिो का सेवन करना सेहत की दृष्टि से ठीक नही है। मगर इस दिवस नगर में मात्र गायत्री परिवार के आलवा प्रशासन की ओर से कोई पहल करना भी उचित नही समझा गया जिसका परिणाम है कि अब इस प्रकार का नशा जहां युवाओं के लिये फैसन बनते हुये चला जा रहा है। क्योंकि क्षेत्र के गांवो में तो सिर्फ बीड़ी फॅूकने, हथेली में जर्दा मल कर फॉकने का चलन है। किंतु शहर के अधिकतर युवाओं के लिए सड़कों, स्टेशन, सार्वजानिक स्थानों पर सिगरेट से धुयें के छल्ले उड़ाकर वातावरण को प्रदूषित करना आम बात बन चुकी है। हालत यह है कि सिगरेटो के साथ तम्बाकू युक्त गुटकों का सेवन करने की प्रवृत्ति के कारण युवाओं के चेहरों की चमक दमक गायब हो रही है और महॅगी तथा देशी विदेशी सिगरेटो का धुऑ निरंतर युवाओं का सुनहरा भविष्य छीन रहा है जो जुये, सट्टे, कैसीनो, होटल बाजी काफी हद तक प्रेम की हिलोर की गिरप्त में आये युवा यह सोचने में असमर्थ हो गए है कि सिगरेट पीने के शौक से किस तरह पीछा छुड़ाया जाए। यह बात नहीं है कि सिगरेट का जादू केवल युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है बल्कि हकीकत यह है कि शहर के शासकीय विभागों के कार्यालयों से लेकर नगर के अनेक बैंक शाखाओं, स्टेशन, बस स्टेण्ड, बाजार में भी सावन के बादलो की तरह सिगरेट के धुयें के छल्ले हवा में उड़तें दिखायी दे रहे है और नगर में बढ़ती जा रही पान की दुकानें इस बात की गवाही दे रही है कि स्वास्थ की दुश्मन सिगरेट, बीड़ी पीने का चलन रूक नही रहा है तथा लोग तम्बाखू युक्त चीजो से जानित बीमारियों के शिकार होकर अपने खून पसीने की कमाई डाक्टरो को भेट करने मजबूर हो रहे है। इस संबंध में शहर के अनेक पान विक्रेताओं ने बताया कि वर्तमान में एक से एक बढ़कर सिगरेटें बाजार में आ गयी है। साधारण मानी जाने वाली सिगरेट जहां 10 रू. में एक बिक रही है। वही खूब सूरत पैकिटों में रखी सिगरेट के दाम काफी ऊॅचे है, जिसके चलते सिगरेट के लुभावने पैकिटों की रेंज शोकेसों में सजाना उनकी विवशता हो गयी है। वही दूसरी ओर शहरों के साथ गांव गांव अवैध रूप से बिक रही शराब के साथ साथ स्मैक, गांजा सहित अन्य प्रकार के मादक पदार्थो के अवैध कारोबार की चपेट में युवा व किशोर के साथ साथ अब लड़िकयों भी आने से नही बच पा रहे है और इसी का परिणाम है कि शराब के जाम छलकाने के दौरान युवा जहां बेहतरीन सिगरेट पीना पसंद करने लगे है। इस प्रकार लगातार बढ़ रहे मादक पदार्थो के फैशन के कारण शहर में प्रतिदिन जमकर गुटकों, बिडी, सिगरेट का कारोबार हो रहा है और नगर का माहौल सिगरेट, बिडी के धुयें के विषाक्त असर से विकृत करने से नही चूक रहा है। बीते हुये 31 मई दिन रविवार को अंतर्राष्टीय धूम्रपान निषेध दिवस पर देखा गया कि जहां अनेक युवा इस प्रकार से धूम्रपान की गिरप्त में फंसे हुए देखे गये। मगर धन्य है प्रशासन जिसने इस अंतर्राष्टीय धूम्रपान दिवस के अवसर पर लोगों को जागरूक करने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रशासन द्वारा इन युवाओं की जिन्दगी को बचाने के लिये कोई पहल की गई हो...? जबकि अक्सर देखा जाता है कि प्रशासन द्वारा नशा मुक्ति को लेकर जहां प्रतिवर्ष हजारों रूपया खर्च करते हुए देखा जाता है। मगर इस दिवस पर प्रशासन की उदासीनता का खुला प्रमाध देखने मिलने से नही चूक पाया है। जबकि गौर किया जावे तो नगर में नशा मुक्ति के नाम पर एनजीओं तक संचालित हो रहे है जो आये दिन नशा मुक्ति के नाम पर अनेक प्रकार के आयोजन करते हुए आमजन की नजरों में वाही वाही लूटते हुए लोगों को नशा मुक्त करने के नाम पर शासन से पैसा हथियाने से नही चूकते है? मगर इस दिवस किसी के द्वारा भी युवाओं के लगातार फंस रहे नशें से मुक्त दिलाने के लिये कोई पहल करने का प्रयास किया गया हो। क्योंकि नशे की गिरप्त में फसा हुआ व्यक्ति अपने आप को तो बीमारी से बचाने में सफल नही होता है साथ ही साथ नशे की गिरप्त में फंसे व्यक्ति का पूरा परिवार बर्बादी की कगार पर पहुंच जाता है...? जब उसे अपनी लत पूरी करने के लिए पैसो की व्यवस्था नही होती है तो वह अपने परिजनों के साथ मारपीट करते हुए पैसा छीनने से भी नही चूकता है और घर की जरूरी सामग्री को बेचते हुए अपनी लत को पूरा करता है जिसके चलते इस प्रकार से लोगें में लगातार बढ़ रही नशे की लत के चलते अनेक परिवार विखरते हुए देखे जा रहे है?

यमदूत बन अनियंत्रित गति से दौड़ रहे वाहनों की मनमानी पर अंकुश नही..

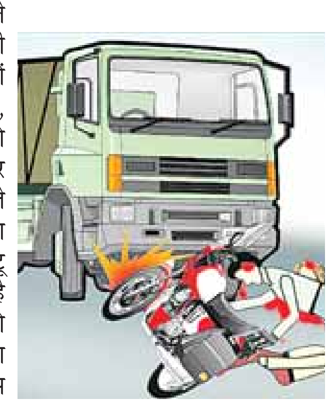

हरिभूमि न्यूज/ मनकवारा। दुर्घटना से देर भली यह नारा यातायात व्यवस्था सुचारू रखने वाली पुलिस हमेशा दोहराती रहती है, किन्तु विडम्बना की बात है कि उसकी तरफ से सड़कों पर अनियंत्रित गति व तेज लाईट सहित काने यानि की दो लाईट होने पर एक लाईट जलने वाले वाहन चलाने पर रोक नही लगायी जाती है, जिसकी जीती जागती मिसाल इन दिनों क्षेत्र की सड़को पर देखने को मिल रही है, जहां पर वर्तमान में ग्राम की सड़कों पर दो पाहिया, चार पाहिया वाहन ट्रक व ट्रेक्टर यमदूत बनकर फर्राटे से तेज गति में दौड़ते नजर आ रहे है,हालत यह है कि दोपाहिया वाहन चालक, राहगीर काने वाहनो को टू व्हीलर वाहन समझने की भूल कर बैठते है और जब उन्हे सच पता चलता है तो खैरियत से घर पहॅुचने की ईश्वर से प्रार्थना करने लगते है, बताया जाता है कि पुलिस के सामने से भी काने वाहनो के गुजरनें का सिलसिला चलता रहता है पर पुलिस वाहन चालको पर कार्यवाही करने की जगह हरी झंडी दे देती है,जिसका नतीजा है कि ग्राम में सड़क दुर्घटनाओं का अंदेशा लगातार बढ़ता जा रहा है,यातायात व्यवस्था में बाधक साबित हो रहे फर्राटे से दौड़ते वाहनों के सम्बंध में हरिभूमि टीम से क्षेत्रवासियों ने चर्चा के दौरान बताया गया कि इस समय जिस प्रकार से युवाओं को अपने वाहनों में तेज लाईट वाली एलईडी सहित अन्य प्रकार के लाईट लगावाकर वाहन चलाये जा रहे है वह प्रमुख रूप से दुर्घटना का कारण बनने से नही चूक रहे है, वही देखा जा रहा है कि गांवो की सड़को पर बिना बैक लाईट वाले वाहनो का दौड़ाया जाना खतरनाक है, क्योंकि सकरे मार्गो पर जब अनियंत्रित गाति वाले वाहन चलते है तो लोंगो का दिल दहल जाता है, पुलिस को जनहित में सड़को पर काने वाहनो के दौड़ाने पर पाबंदी लगानी चाहिए, ग्रामीणों के अनुसार रात में सिंगल लाईट वाले चार पाहिया वाहनों का सड़को पर दौड़ना उचित नही है, इन वाहनो से कभी भी सड़क हादसा हो सकता है, इस प्रकार से वाहनो की धमाचौकड़ी पर पुलिस को शीघ्र प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्षेत्र के लोगों के मुताबिक हमारे मकान मुख्य सड़क के किनारे बने हुए है, जहां छोटे बच्चे हमेशा खेलते है,बच्चो की ना समझी और निरंकुश वाहन चालको की जुर्रत से कभी भी दुर्घटना हो सकती है, वही क्षेत्र लोगों का कहना है कि शाम के समय अंधेरा होने से शाम के समय सड़को पर घूमने जाने वाले ग्रामवासी घर लौटते समय चार पाहिया वाहनो की सिंगल लाईट के कारण दोपाहिया वाहन समझ बैठते है और उन्हे बाल बाल बाचते हुए घर लौटने मजबूर होना पड़ता है, लोगों का कहना है कि आर टी ओ एवं पुलिस विभाग को मिलकर काने वाहन चालको के खिलाफ अभियान छेड़ना जरूरी हो गया है अन्यथा कभी भी ग्राम में बड़ी सड़क दुर्घटना घटित होना सम्भावित है, अक्सर देखा जाता है कि वाहन चालको को पुलिस का खौफ नहीं रह गया है,इसी का कारण है कि सड़को पर काने वाहन बेरोकटोक दौड़ रहे है, पुलिस द्वारा यादि यातायात व्यवस्था में सुधार अभी नहीं किया गया तो आशंका है कि आने वाले बारिश के मौसम में अनचाही सड़क दुर्घटनाएॅ हो सकती है।

कक्षा 9 एवं 11 वी के द्वितीय अवसर की परीक्षा कल से

गाडरवारा। शिक्षा विभाग द्वारा वोर्ड परीक्षाओं की तर्ज पर द्वितीय अवसर की परीक्षा का अवसर स्थानीय स्तर की परीक्षाओं के लिये भी प्रदान किया गया है। इसी के चलते शासकीय स्कूलों की कक्षा 9 वी एवं 11 वी के छात्र छात्राओं के द्वितीय अवसर की परीक्षा कल 3 जून से प्रारंभ हो रहीं है। बताया जाता है कि प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग, लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षा 9वीं एवं 11वीं की द्वितीय परीक्षा की समय-सारणी जारी की जा चुकी है। कक्षा 9वीं की परीक्षा 3 जून से शुरू होगी और 12 जून तक चलेगी। जबकि कक्षा 11वीं की द्वितीय अवसर की परीक्षा भी 3 जून से शुरू होगी और 13 जून को समाप्त होगी। परीक्षा को लेकर संचालनालय द्वारा दिशा निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। वार्षिक परीक्षा में एक या एक से अधिक विषयों में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण विद्यार्थी द्वितीय परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। ये परीक्षा सबंधित विद्यार्थियों के स्कूल में ही आयोजित होगी।

नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति अग्रवाल की पहल से बनाये जा रहे स्वीड ब्रेकर

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। नगर के भौगोलिक स्थिति इस तरह से बनी हुई है कि राज्य स्तरी मुख्य मार्ग दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा के बीचों बीच से निकलने के कारण यहां पर दिन भर भारी भरकम वाहनों की धमाचौकड़ी मची रहती है। इस स्थिति के चलते आये दिन सड़क दुर्घटनाये घटित होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है। इसी प्रकार आम लोगों की जिन्दगी को पैदा हो रहे खतरे को ध्यान में रखते हुये नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति स्वाति/सचिन अग्रवाल अपने नगर के लोगों के प्रति चिंता में दिखाई देने से नही चूक रही थी। वही दूसरी ओर नगरवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए नगर के प्रमुख स्थानों पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग करते हुये श्रीमति अग्रवाल द्वारा बीते हुये 7 अप्रेल को एमपीआरडीसी को पत्र लिखलते हुये मुख्य मार्ग यानि की स्टैट हाईवे क्रमांक 44 पर स्पीड ब्रेकर बनाये जाने की मांग की गई थी। इस तरह एमपीआरडीसी द्वारा स्पीड ब्रेकर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। नगर के मुख्य मार्गों से प्रतिदिन भारी एवं तेज रफ्तार वाहनों का आवागमन होता है, जिससे आम नागरिकों, स्कूली बच्चों और राहगीरों को दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था। गत दिनों स्टेट हाईवे-44 पर हुई सड़क दुर्घटनाओं के बाद नगरवासियों की चिंता और बढ़ गई थी। इस गंभीर समस्या को देखते हुए नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सचिन अग्रवाल ने एमपीआरडीसी को बार-बार पत्र लिखकर नगर के प्रमुख स्थानों पर स्पीड ब्रेकर निर्माण की मांग की थी। साथ ही क्षेत्र के विधायक व मध्यप्रदेश शासन के मंत्री उदय प्रताप सिंह को भी इस समस्या से अवगत कराया गया था।अध्यक्ष श्रीमती अग्रवाल के सतत प्रयासों और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप अब नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर स्पीड ब्रेकर बनाए जा रहे हैं। इससे वाहनों की तेज गति पर नियंत्रण लगेगा तथा सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं में कमी आएगी। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यह कदम नगर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। नगरवासियों ने इस जनहितकारी पहल के लिए मंत्री उदय प्रताप सिंह सहित नगर परिषद अध्यक्ष स्वाती सचिन अग्रवाल एवं संबंधित विभाग के प्रति हर्ष व्यक्त किया गया है। वही नागरिकों का कहना है कि स्पीड ब्रेकर बनने से विशेष रूप से स्कूलों, बाजार क्षेत्रों और आबादी वाले इलाकों में लोगों को राहत मिलेगी तथा सड़क सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी नगर की यातायात एवं सुरक्षा संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए इसी तरह प्रभावी कदम उठाए जाते रहेंगे।

मण्डी एवं नगर पालिका काम्प्लेक्स दुकानदारों पर लाखो रूपया बकाया तो दूसरी ओर अनेक दुकाने किरायदार टू किरायदार पर चल रही है?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय जवाहर कृषि उपज मंडी द्वारा अपनी राजस्व आय बढ़ाने शापिंग काम्प्लेक्स दुकानों का निर्माण कराया गया था, जिसके चलते उपज मण्डी द्वारा लगभग 152 दुकाने बताई जाती है। इसी प्रकार से नगर पालिका द्वारा संजय गांधी मार्केट में 13 दुकाने, गांधी मार्केट में 11 दुकाने व इंदिरा शापिंग काम्प्लेक्स में 64 दुकाने तथा कामथ काम्प्लेक्स में 24 दुकाने तथा पं. दीनदयाल बस स्टैण्ड में 10 दुकाने, चीचली रोड पर स्थित काम्प्लेक्स में 10 दुकानों का निर्माण कराया गया था, जिसमें से इन शापिंग दुकानों में से 126 दुकाने नगर पालिका द्वारा किराये से दी गयी। मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है कि कुछ लोगों द्वारा इन दुकानों को अपनी जुगाडू व्यवस्था के चलते किराय से लेकर अन्य दूसरे को किराय पर दे रखी है, जिनका किराया विगत लम्बे समय से न तो मंडी कार्यालय में जमा हो रहा है ओर न ही नपा में जिसके कारण इस समय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंडी प्रशासन को दुकानदारों से 30 लाख रूपया से ऊपर तथा नगर पालिका प्रशासन को कई लाख रूपया से ऊपर की राशि इन दुकानदारों से किराय के रूप में लेना बाकी निकल रहा है? वही दूसरी ओर देखा जावे तो इन दुकानदारों में कुछ दुकानदारो की स्थिति तो कुछ इस प्रकार से बताई जाती है कि जिनका किराया लाख रूपया से ऊपर है। वही बताया जाता है कि मंडी एवं नगर पालिका प्रशासन द्वारा बकाया किराया वाले दुकानदारों पर नियमानुसार नोटिस देकर दुकान खाली कराने का अधिकार होने के साथ साथ किसी शासकीय संपत्ति के संबंध में बताया जाता है कि जो व्यक्ति यदि किराय से लेता है तो उसका उपयोग वही करता है किरायदार को किराय से देने का अधिकार नही होता है..? मगर बडे ही हैरत की बात है कि इसके बाद भी अनेक दुकान नियाम के खिलाफ किरायदार से किरायदार के रूप में चल रही है। लेकिन आज तक ऐसी कोई कार्यवाही मंडी एवं नगर पालिकस प्रशासन द्वारा की नही गयी, हालांकि मंडी एवं नगर पालिका वसूली अधिकारी का कहना है कि हम बकायादारों से राशि जमा करने की बात कहते रहते है, बहरहाल मंडी एवं नगर पालिका शापिंग काम्प्लेक्स से लाखों रूपयो की बकाया राशि बसूल न किया जाना नगर पालिका एवं मंडी प्रशासन की उदासीनता को उजागर करता है।

सांझा चूल्हा कार्यक्रम ने गांवों में तोड़ा दम, अधिकारियों को जांच करने के लिए नही है समय

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जिस प्रकार से शासकीय स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों सहित आंगनबाड़ी के छात्रों को पोषण युक्त अहार प्रदान करने हेतु साझा चूल्हा पोषण आहार कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी। मगर अब वह क्षेत्र के गांवों में औपचारिकता बन कर रह गया हुआ जान पड़ रहा है? बताया जाता है कि क्षेत्र के कई गॉंवों में इस योजना ने दम तोड दिया है। गांवों में जाकर देखा जावे तो वहां पर न तो मीनू के अनुसार भोजन दिया जा रहा है और न ही साफ सफाई का ध्यान रखा जा रहा है? सरकार ने ग्रामीण स्कूलों के बच्चों और महिला एवं बाल विकास विभाग की आँगनवाड़ियों के बच्चों के लिए एक ही चूल्हे पर ताजा और पौष्टिक आहार देने की योजना को लागू तो किया गया है। किन्तु योजना का समुचित लाभ बच्चों को नही मिलते हुए नजर नही आ रहा है? बताया जाता है कि इस योजना के सफल कार्यान्वयन में ग्रामीणों की उदासीनता भी चिंता का विषय बन गई है। पंचायतों के सरपंच और सचिव भी अपने कर्तव्य निर्वहन के प्रति जागरूकता के साथ नजर नही आ रहे है? वही स्कूली बच्चों के लिए दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन को लेकर भी ग्रामीणों को शिकायत है कि साझा चूल्हा योजना में गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश है किन्तु अनेक जगहों पर समूहों को संचालन करने वाली महिलाओं के पतियों ने इसे व्यवसाय का माध्यम बना लिया है? जो मीनू का समुचित पालन ही नही हो रहा है, यही नही क्षेत्र के कई गॉंवों में विभागीय सॉठ गॉठ के चलतें योजना कागजों में चलते हुए बताई जा रही है? और उनका भुगतान भी समूह ले रहे है? तथा इनकी गुणवत्ता पर भी ऊॅंगलियॉ उठ रही है? मगर तहसील स्तर से लेकर जिले में बैठे हुए अधिकारियों द्वारा इन्हें जांच करने की बात तो दूर उनके निरीक्षण करने के लिए भी समय नही मिलता जिसके चलते यह शासन की योजना भगवान भरोसे ही चलता हुआ जान पड़ रहा है?

गांवों में धड़ल्ले से खुल रही शासन के माप दंडो को दर किनार कर निजी संस्थाओं की अनदेखी शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर खड़े कर रही सबाल..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। म.प्र.सरकार गांवों के शासकीय स्कूलों में बेहतर सुविधाएं देकर बच्चों को उनमें अध्ययन करने के लिए आकर्षित कर रही है, मगर जिन शासकीय शालाओं में शिक्षक नहीं है, उनमें योग्य शिक्षक, अतिथि शिक्षक, संविदा शिक्षक भेजे जा रहे है। बच्चियों को गणवेश से लेकर साईकिलों के साथ साथ छात्रवृति सहित भोजन व निःशुल्क पुस्तके भी दी जा रही हैं, किन्तु आश्चर्य का विषय है कि शहर के तरह ग्रामों के अभिभावकों पर भी अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ाने का जिस प्रकार से जुनून छा रहा है, उसका नतीजा है कि गांवों में भी अब अंग्रेजी माध्यम की धड़ल्ले से निजी शालाएं खुलती चली जा रही है जहां पर खुलेआम शासन द्वारा निर्धारित किये गये माप दंडो को दर किनारे करते हुए मनमानी फीस बसूली जा रही है। वही अक्सर देखा जाता है कि जब शिक्षा शत्र की शुरूआत होती है तो प्रवेश लेने वाले बच्चों को सीट फुल होने का भय दिखाते हुए अधिक डोनेशन प्राप्त करने का फंडा अपनाया जाता है? जिसके चलते देखा जा रहा है कि आने वाले 1 जुलाई से नये शिक्षा सत्र की शुरूआत करने की तैयारियाँ स्कूलों द्वारा अभी से करना शुरू कर दिया गया है जिसके चलते इन स्कूलों द्वारा जहां तहां बैनर पोस्टर लगाते हुये अभिभावकों को लुभाने की शुरू कर भी करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? गौरतलब है कि अंग्रेजियत में डूबी इन निजी शालाओं की फीस महंगी तो होती ही है इसके अलावा इनमें पढ़ने वाले बच्चों से डोनेशन और अन्य मदों में राशि की बसूली कर अभिभावकों को आर्थिक शोषण किया जाता है..? अनेक निजी शालाएं तो ऐसी भी रहती है जो स्थापना के निर्धारित माप दंडों पर खरी नहीं होती, इनके पास न तो व्यवस्थित खेल मैदान होता और न ही पुस्तकालय, प्रयोग शालाा तथा अन्य सुविधाएं रहती है, वही पढ़ाने वाले शिक्षको की स्थिति देखी जावे तो वह खुद अग्रेजी नही जानते है। मगर बच्चों को अग्रेजी पढ़ाने की बात करते है? जिन गांवों के अधिकांश निवासी ए बी सी डी नही जानते, उनमें नेटवर्क फैलाकर ये निजी स्कूल अंग्रेजी शिक्षा का महत्व बताकर अभिभावकों को जाल मंल फंसा लेते है और बच्चों के दाखिले के बाद शुरू हो जाती है वह अभिभावकोंके शोषण की कहानी जिसका पूरे साल अंत नहीं होता? उल्लेखनीय है कि महंगाई के इस दौर में किताबों, कापियों, बच्चों को गणवेश तथा अन्य शालेय सामग्री के दामों में इजाफा होने से बैसे ही बच्चों को शिक्षित कराने में अभिभावक परेशान रहते है, ऊपर से गांवों में आयी निजी स्कूलों की बाढ़ से शिक्षा-व्यवस्था और गड़बड़ होती चली जा रही है, मजेदार तथ्य है कि जहां एक तरफ अंग्रेजी मीडियम स्कूल चमचमाते इश्तहार तथा विज्ञापन प्रकाशित कर शासकीय स्कूलों से अभिभावकों को मोह भंग करते हुए अपना तामझाम फैला रहे है, वही जिले के शिक्षा विभाग की तरफ से शासकीय शालाओं की व्यवस्थाओं के संबंध में ऐसा कोई प्रचार अभियान नहीं चलाया जा रहा है, जो शासकीय शालाओं के प्रति अभिभावकों में अनुराग जाग सके।

खबर संक्षेप

पुरानी रंजिश पर दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट

कटनी। कोतवाली थाना अंतर्गत नदी पार कोल बस्ती में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद और मारपीट हुई। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पहले पक्ष की ओर से शिवम चौधरी 22 वर्ष, निवासी नदी पार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी दीपक चौधरी, केशव चौधरी, रामबाई चौधरी और अंजू चौधरी के खिलाफ गालियां देने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। वही दूसरे पक्ष की ओर से केशव चौधरी 36 वर्ष की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शिवम सोनी के खिलाफ गाली-गलौज और मारपीट का मामला दर्ज कर जांच में लिया है। इसी तरह कैमोर थाना क्षेत्र के अमरैयापार वार्ड क्रमांक 13 निवासी राहुल कोल 29 वर्ष ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि जब वह साईं मंदिर के पास था, तब वहीं के निवासी बाबू सिंधी ने उसके साथ पुरानी रंजिश को लेकर गालियां देते हुए मारपीट की और जातिसूचक शब्द कहकर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी बाबू सिंधी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

किसानों को 368 करोड़ का हुआ भुगतान

कटनी। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में समर्थन मूल्य पर हुये गेहूँ उपार्जन के लिए किसानों को अब तक उपार्जित गेहूँ के विरूद्ध 368.26 करोड़ रूपये का भुगतान किया जा चुका है। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने अधिकारियों को सभी किसानों का शेष भुगतान शीघ्र करवाने के निर्देश दिये हैं। साथ ही उन्होंने उपार्जित गेहूँ के परिवहन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए है। बदलते मौसम को देखते हुए उन्होंने समितियों को सतर्क रहने की हिदायत दी है, ताकि उपार्जित अनाज को नुकसान न हो। इस वर्ष कटनी जिले में पहली बार रिकॉर्ड 1 लाख 98 हजार 501 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया, जो कटनी जिले के गेहूं उपार्जन के इतिहास में अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। इस वर्ष पिछले साल की तुलना में 42.42 फीसदी अधिक खरीदी हुई। किसानों से इस वर्ष 2585 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस सहित 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया गया है। गेहूँ उपार्जन हेतु इस वर्ष कुल 52 हजार 991 किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया था। जबकि 37 हजार 76 किसानों द्वारा उपज की बिक्री की गई। वहीं कुल 41 हजार 78 स्लॉट बुक किये गये।

महापौर जनसुनवाई आज

कटनी। लोगों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से आज 2 जून, मंगलवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभागार में महापौर जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शहर के नागरिक अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन लेकर सीधे महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के समक्ष उपस्थित होकर अपनी बात रख सकेंगे।

जेवरात, नकदी सहित खाद्य सामग्री ले गये चोर

कटनी। ढीमरखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम पाली में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए नगदी, सोने-चांदी के जेवरात सहित घर के कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। शातिर चोर घर में रखा गेंहू-चावल और रसोई का कुकर तक बटोर ले गए। घटना के समय गृहस्वामी परिवार सहित बाहर गया हुआ था। पुलिस ने फरियादिया की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ढीमरखेड़ा के ग्राम पाली निवासी ललिता मेहरा पति रमालाल मेहरा 35 वर्ष का परिवार जब अपने घर में मौजूद नहीं था, तभी अज्ञात चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया। चोरों ने कमरों और अलमारी के ताले चटकाकर अंदर रखी 65,000 रुपये नगद राशि और सोने-चांदी के कीमती जेवरातों को पार कर दिया। चोरों ने सिर्फ नगदी और जेवर ही नहीं समेटे, बल्कि घर के किचन और कोठी में रखा चावल, गेंहू और प्रेशर कुकर भी अपने साथ ले गए।

छोटे गुर्गे गिरफ्तार बड़ा सरगना फरार अवैध शराब नेटवर्क पर बड़े सवाल

नर्मदा तट पर शराबबंदी बेअसर डिंडौरी में फल फूल रहा अवैध शराब कारोबार

डिंडौरी न्यूज । नर्मदा तट की पवित्रता बनाए रखने और श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करने के उद्देश्य से तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मां नर्मदा सेवा यात्रा के दौरान नर्मदा नदी के पांच किलोमीटर दायरे में शराब विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध की घोषणा की थी। डिंडौरी की धरती से हुई इस ऐतिहासिक घोषणा के बाद शराब दुकानों के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए थेए लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि जिला मुख्यालय में खुलेआम अवैध शराब का कारोबार शासन की मंशा को चुनौती देता दिखाई दे रहा है।सूत्रों के अनुसार डिंडौरी नगर में प्रतिदिन लाखों रुपये की अवैध शराब खपाई जा रही है। पान गुमटियोंए किराना दुकानोंए बस स्टैंडए पुरानी डिंडौरी तिराहाए सुबखारए मस्जिद मोहल्लाए मंडला बस स्टैंडए कलेक्ट्रेट क्षेत्रए नर्मदा गंज सहित दर्जनों स्थानों पर दिन.रात शराब की बिक्री जारी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब यह कारोबार खुलेआम चल रहा है तो जिम्मेदार विभागों की नजर आखिर इस पर क्यों नहीं पड़ रही

सफेदपोशों के संरक्षण में अवैध कारोबार

जानकार सूत्र बताते हैं कि शराबबंदी की आड़ में कुछ राजनीतिक रसूखदारों ने अवैध शराब को कमाई का बड़ा जरिया बना लिया है। आरोप हैं कि प्रति बोतल बिक्री पर कमीशन लेकर शहर भर में शराब बिकवाई जा रही है। इतना ही नहींए कार्रवाई की भनक लगते ही कारोबारियों को बचाने और मामलों को दबाने का खेल भी चल रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि समय.समय पर कार्रवाई जरूर होती हैए लेकिन वह केवल छोटे विक्रेताओं या कथित गुर्गों तक सीमित रहती है। अवैध कारोबार का संचालन करने वाले मुख्य सरगना और उनके संरक्षक कानून की पकड़ से दूर बने हुए हैं।

भाजपा नेताओं में भी नाराजगी

शहर में शराबबंदी के बावजूद खुलेआम बिक रही शराब को लेकर भाजपा के कई कार्यकर्ता और नेता भी अंदरखाने नाराज बताए जा रहे हैं। हालांकि सत्ता पक्ष से जुड़े होने के कारण अधिकांश लोग सार्वजनिक रूप से विरोध दर्ज कराने से बच रहे हैं। उनका मानना है कि सरकार की छवि को सबसे ज्यादा नुकसान ऐसे ही अवैध कारोबार पहुंचा रहे हैं।

मिलावटखोरी का खतरनाक खेल

मामला केवल अवैध बिक्री तक सीमित नहीं है। सूत्रों के मुताबिक नगर में बिक रही शराब में बड़े पैमाने पर मिलावट किए जाने की आशंका भी जताई जा रही है। बताया जाता है कि शराब की बोतलों से मात्रा निकालकर उसमें संदिग्ध रसायनों की मिलावट की जाती है और निकाली गई शराब को दूसरी बोतलों में भरकर बेचा जाता है। यदि यह आरोप सही हैं तो यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ भी है। जहरीली शराब या रासायनिक मिश्रण से कभी भी बड़ी जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

सवालों के घेरे में प्रशासन

नगर में दर्जनों स्थानों पर अवैध शराब की बिक्री की चर्चाएं आम हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या जिम्मेदार विभागों को इसकी जानकारी नहीं हैए या फिर जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रहीघ् यदि शराबबंदी लागू है तो फिर शराब की आपूर्ति कहां से हो रही है और इसका नेटवर्क कौन संचालित कर रहा हैघ्नगर के प्रबुद्ध नागरिक अब मांग कर रहे हैं कि प्रशासन केवल छोटे विक्रेताओं पर कार्रवाई करने के बजाय पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच कर मुख्य सरगनाओं और उनके कथित संरक्षकों तक पहुंचेए ताकि नर्मदा तट पर लागू शराबबंदी का वास्तविक उद्देश्य पूरा हो सके।

चकरार नदी से अवैध जल दोहन का मामला गरमाया अधिवक्ता ने कलेक्टर से की कार्रवाई की मांग

डिंडौरी बजाग। बजाग क्षेत्र में गहराते पेयजल संकट के बीच चकरार नदी से कथित अवैध जल दोहन का मामला एक बार फिर चर्चा में है। इस संबंध में अधिवक्ता सम्यक जैन ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप एवं प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।कलेक्टर को भेजे गए पत्र में अधिवक्ता ने आरोप लगाया है कि चकरार नदी से बड़ी संख्या में मोटर पम्पों के माध्यम से सिंचाई के लिए पानी निकाला जा रहा हैए जिससे नदी का जलस्तर तेजी से घट रहा है और क्षेत्र में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित हो रही है।पत्र में उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत बजाग मालए जल संसाधन विभाग तथा स्थानीय नागरिकों द्वारा पूर्व में कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद अवैध जल निकासी पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि जल संसाधन विभाग द्वारा जारी नोटिस में बिना अनुमति नदी से जल निकासी को नियम विरुद्ध बताया गया हैए फिर भी जल दोहन का सिलसिला जारी है।

जलस्तर घटने से बढ़ी ग्रामीणों की परेशानी

अधिवक्ता के अनुसार नदी के जलस्तर में लगातार गिरावट के कारण क्षेत्र के कई कुएंए हैंडपंप और पारंपरिक जल स्रोत प्रभावित हो रहे हैं। गर्मी के मौसम में ग्रामीणोंए महिलाओंए बच्चों और पशुपालकों को पेयजल के लिए अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।पत्र में यह भी कहा गया है कि संबंधित अधिकारियों की निष्क्रियता जल संरक्षण एवं पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने संबंधी प्रशासनिक निर्देशों की भावना के विपरीत है। उन्होंने मांग की है कि चकरार नदी में लगे अवैध मोटर पम्पों को तत्काल हटाया जाएए संयुक्त जांच दल गठित कर मामले की जांच कराई जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाए। पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि क्षेत्र में मुख्यमंत्री का प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम है। ऐसे में यदि जल संकट और अवैध जल दोहन की समस्या का समय रहते समाधान नहीं किया गया तो स्थानीय स्तर पर असंतोष की स्थिति बन सकती है।उन्होंने कहा कि पेयजल संकट के दौर में सार्वजनिक जल स्रोतों का संरक्षण प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और जनहित में शीघ्र कार्रवाई आवश्यक है।

छुही खदान धंसने से महिला की मौत परिजनों को 4.50 लाख रुपये की सहायता

शहपुरा। विकासखंड शहपुरा की ग्राम पंचायत पड़रिया कला में छुही मिट्टी निकालने के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर मृतका के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है।जानकारी के अनुसार ग्राम पड़रिया कला स्थित निजी भूमि के खसरा क्रमांक 230ए रकबा 041 हेक्टेयर में ग्रामीण अपने कच्चे मकानों की मरम्मत एवं छपाई के लिए छुही मिट्टी निकाल रहे थे। इसी दौरान अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा धंस गयाए जिससे वहां मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए। अधिकांश ग्रामीण सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहेए लेकिन ममता बाई झरिया ;47द्धए पति केशव झरियाए मलबे में दब गईं। घटना की सूचना मिलते ही अनुविभागीय अधिकारी ;राजस्वद्ध ऐश्वर्य वर्माए तहसीलदार राम प्रसाद मार्को सहित प्रशासन एवं पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जेसीबी मशीनों की सहायता से तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाया गया। काफी प्रयासों के बाद महिला को मलबे से बाहर निकालकर 112 एम्बुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा पहुंचाया गयाए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।हादसे की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और राहत कार्य में सहयोग किया। प्रशासन ने संभावित खतरे को देखते हुए क्षेत्र को सुरक्षित कराया तथा पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए रखी।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार संबंधित स्थान पर लंबे समय से छुही मिट्टी का उत्खनन किया जा रहा था। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था एवं अवैध उत्खनन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते निगरानी और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाते तो इस दुर्घटना को टाला जा सकता था। जिला प्रशासन ने बताया कि मृतका ममता बाई झरिया का संबल योजना में पंजीयन होने के कारण उनके परिजनों को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इसके अलावा रेडक्रॉस समिति से 50 हजार रुपये की सहायता राशि तथा अंत्येष्टि के लिए आवश्यक सहयोग भी उपलब्ध कराया जा रहा है।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत महिला को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित परिवार को शासन की सभी पात्र योजनाओं का लाभ शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। प्रशासन ने मामले की जांच के निर्देश देते हुए कहा है कि घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है और आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हादसों से निपटने के इंतजाम नदारद

नर्मदा मेगा मेले की प्रशासनिक अनुमति पर उठे सवाल सुरक्षा इंतजामों को लेकर बढ़ी चिंता

डिंडौरी। नगर में संचालित नर्मदा मेगा मेले में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ रही हैए लेकिन मेले की सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि मेले में कई आवश्यक सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही हैए जिससे किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में हालात गंभीर हो सकते हैं।जानकारी के अनुसार मेले में स्थापित झूलोंए खेल गतिविधियों और अन्य मनोरंजन साधनों के बीच पर्याप्त दूरी नहीं रखी गई है। भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी पर्याप्त नजर नहीं आ रही हैं। विशेष रूप से मेले में स्पष्ट एवं व्यवस्थित इमरजेंसी एग्जिट ;आपातकालीन निकास मार्गद्ध का अभाव सुरक्षा संबंधी चिंताओं को और बढ़ा रहा है।

अनुमति की शर्तों और सुरक्षा मानकों पर उठ रहे सवाल

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इतने सीमित परिसर में अत्यधिक ऊंचाई और आकार के झूलों के संचालन को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का मानना है कि प्रशासनिक अनुमति जिन शर्तों के साथ प्रदान की गई होगीए उनके अनुरूप व्यवस्थाएं स्थल पर दिखाई नहीं दे रही हैं। ऐसे में अनुमति के प्रावधानों के पालन और उनके संभावित दुरुपयोग को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।इसके अलावा मेले में संचालित झूलों की तकनीकी जांच एवं मजबूती परीक्षण ;सेफ्टी ऑडिटद्ध से संबंधित कोई सार्वजनिक जानकारी या प्रमाण भी प्रदर्शित नहीं किए गए हैं। नागरिकों का कहना है कि बड़ी संख्या में बच्चों और परिवारों के उपयोग में आने वाले इन झूलों की सुरक्षा जांच की जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

घनी आबादी के बीच मेलाए आपदा प्रबंधन पर प्रश्नचिन्ह

मेले का आयोजन नगर के घनी आबादी वाले क्षेत्र और मुख्य मार्ग के समीप किया गया हैए जहां चारों ओर बहुमंजिला इमारतें स्थित हैं। ऐसे स्थान पर बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के बीच यदि कोई दुर्घटना या आपात स्थिति उत्पन्न होती है तो राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है।स्थानीय रहवासियों ने यह भी आरोप लगाया है कि ऊंचे झूलों और मेले की गतिविधियों के कारण आसपास रहने वाले लोगों की निजता ;प्राइवेसीद्ध प्रभावित हो रही है। देर रात तक संचालित गतिविधियों और लगातार बढ़ती आवाजाही से भी लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

यातायात व्यवस्था और फायर सेफ्टी पर भी सवाल

मेले में आने वाले वाहनों के कारण आसपास के क्षेत्रों में लगातार यातायात दबाव बढ़ रहा है। कई स्थानों पर जाम जैसी स्थिति बनने से स्थानीय रहवासियोंए व्यापारियों और राहगीरों को परेशानी हो रही है। वहीं भीड़ के अनुपात में अग्निशमन संसाधनों की उपलब्धता को लेकर भी प्रश्न उठ रहे हैं।इन परिस्थितियों में नागरिकों ने प्रशासन से मेले की अनुमतिए सुरक्षा मानकोंए झूलों की तकनीकी जांचए फायर सेफ्टी व्यवस्था तथा आपातकालीन निकास संबंधी व्यवस्थाओं की पुनः समीक्षा कराने की मांग की हैए ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना की आशंका को समय रहते टाला जा सके।

ग्राम खितौली में गहराया पेयजल संकट टैंकरों के सहारे बुझा रहे प्यास

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मौहारी के ग्राम खितौली में भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट गहरा गया है। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीणों को पीने के पानी की व्यवस्था के लिए स्वयं चंदा एकत्र कर टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं।ग्रामीणों के अनुसार गांव में नल.जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाई जा चुकी हैए लेकिन अब तक घरों में जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। गांव में मौजूद दो हैंडपंप तथा पांच.छह कुएं गर्मी के कारण लगभग सूख चुके हैं। शेष बचे जल स्रोतों पर सुबह से देर रात तक लोगों की लंबी कतारें लगी रहती हैंए फिर भी सभी को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता।

ग्रामीणों ने बताया कि कई बार घंटों इंतजार के बाद भी पानी समाप्त हो जाने से लोगों को खाली बर्तन लेकर घर लौटना पड़ता है। समस्या से परेशान होकर ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से राशि एकत्र कर करीब आठ किलोमीटर दूर से 1500 रुपये प्रति टैंकर की दर से पानी मंगाने की व्यवस्था की है। इसी पानी से पीने और भोजन बनाने जैसी आवश्यक जरूरतें पूरी की जा रही हैं।जानकारी के अनुसार गांव में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पिछले दो वर्षों से कार्य चल रहा है। योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने और ऊंची पानी टंकी का निर्माण कार्य पूरा हो चुका हैए लेकिन अब तक घरों में कनेक्शन नहीं दिए गए हैं। इससे योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं

मिल पा रहा है।ग्रामीणों ने शासन.प्रशासन से मांग की है कि गांव में शीघ्र स्थायी पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे बिछिया.डिंडौरी मुख्य मार्ग पर धरना.प्रदर्शन एवं चक्काजाम करने को बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि किसी भी अप्रिय स्थिति की जिम्मेदारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की होगी।

चंदा एकत्र कर टैंकर मंगवाने पड़ रहे

ग्रामीणों ने बताया कि कई बार घंटों इंतजार के बाद भी पानी समाप्त हो जाने से लोगों को खाली बर्तन लेकर घर लौटना पड़ता है। समस्या से परेशान होकर ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से राशि एकत्र कर करीब आठ किलोमीटर दूर से 1500 रुपये प्रति टैंकर की दर से पानी मंगाने की व्यवस्था की है।

सेवानिवृत्त हुए शिक्षक रत्ती सिंह मरावी

अमरपुर। जनपद शिक्षा केंद्र अमरपुर अंतर्गत मोहनझिर माध्यमिक शाला में पदस्थ उच्च श्रेणी शिक्षक रत्ती सिंह मरावी 31 मई 2026 को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने अपने 42 वर्ष 9 माह 21 दिन के लंबे सेवाकाल में शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।श्री मरावी ने अपनी सेवानिवृत्ति को एक उत्सव के रूप में मनाते हुए सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके परिजनों द्वारा आमंत्रण पत्र के माध्यम से रिश्तेदारोंए मित्रों एवं शुभचिंतकों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। उनके निवास पर पारंपरिक करमा एवं गुदुम नृत्य के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया।इस अवसर पर मेहमानों के लिए आदिवासी पारंपरिक व्यंजन पेज.भाजी सहित विभिन्न प्रकार के भोजन की व्यवस्था की गईए जिसका उपस्थित जनों ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में अतिथियों ने श्री मरावी को स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महेंद्र ठाकुर ने कहा कि शासकीय सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज को उनके अनुभव और मार्गदर्शन की आवश्यकता बनी रहेगी। उन्होंने श्री मरावी से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

उपेक्षा और अतिक्रमण से संकट में खरमेर नदी का अस्तित्व

अमरपुर

।क्षेत्र की जीवनदायिनी मानी जाने वाली खरमेर नदी इन दिनों उपेक्षाए अतिक्रमण और प्रदूषण के कारण अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। समनापुर विकासखंड से उद्गमित यह नदी अमरपुर क्षेत्र से होकर बहते हुए आगे चलकर नर्मदा नदी में मिलती है।

वर्षों से यह नदी क्षेत्र की कृषिए सिंचाई और भूजल संरक्षण की प्रमुख आधार रही है।खरमेर नदी के दोनों तटों पर वर्षभर हरियाली बनी रहती है और बड़ी संख्या में किसान नदी के जल का उपयोग कर सब्जी एवं अन्य फसलों का उत्पादन करते हैं। नदी पर निर्मित स्टॉप डैमों के कारण क्षेत्र में भूजल स्तर में भी वृद्धि हुई हैए जिससे आसपास के गांवों में गर्मी के मौसम में भी कई नलकूपों में पानी उपलब्ध रहता है।

हालांकिए वर्तमान में नदी की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार नदी में लगातार अपशिष्ट सामग्री जमा होने से जलधारा प्रभावित हो रही है। वहीं नदी के दोनों किनारों पर बढ़ते अतिक्रमण और खेती के विस्तार के कारण इसकी चौड़ाई एवं गहराई लगातार कम होती जा रही है।क्षेत्रवासियों का मानना है कि वर्तमान में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदी की व्यापक सफाई एवं गहरीकरण कराया जाए तो इसकी प्राकृतिक संरचना को काफी हद तक पुनर्स्थापित किया जा सकता है। साथ ही अमरपुर.चांदपुर पुल निर्माण के दौरान हुई ब्लास्टिंग से नदी में गिरे पत्थरों और मलबे को भी निर्माण एजेंसी द्वारा हटाया जाना आवश्यक है। कम जलस्तर के कारण वर्तमान समय इस कार्य के लिए उपयुक्त माना जा रहा है।स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि नदी से जुड़े सभी ग्राम पंचायत क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया जाए तथा राजस्व विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते संरक्षण और पुनर्जीवन के प्रयास किए गए तो खरमेर नदी भविष्य में भी क्षेत्र की जीवनदायिनी के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

खबर संक्षेप

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में पुरुषोत्तम मास के दौरान विविध धार्मिक आयोजन चल रहे हैं।इसी श्रंखला के चलते नगर के वार्ड क्रमांक 9 एवं 10 की महिलाओं के द्वारा सामूहिक रुप से मंगल भवन परिसर में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।01से 07 जून तक अपराह्न 4 बजे से शाम 06 बजे तक चलने वाली कथा के कथा व्यास पं सौरभ दुबे के मुखारविंद से भगवत लीलाओं का गुणानुवाद किया जायेगा।

तेंदूखेड़ा पहुंचे राहुल भैया

तेंदूखेड़ा। रविवार को चुरहट विधानसभा क्षेत्र से विधायक एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया अल्प समय के लिए पूर्व विधायक संजय शर्मा के तेंदूखेड़ा स्थित निवास पर पहुंचे। संजय शर्मा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एन पी प्रजापति जिला प्रभारी आलोक मिश्रा पूर्व विधायक सुनील जायसवाल देवेंद्र पटेल गुड्डू भैया दीवान शैलेन्द्र सिंह प्रदीप रघुवंशी सोबरन ठाकुर कमल जैन ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल सूर्यकांत लोधी समेत कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

हमारे परिवार पर लगाए सभी आरोप काल्पनिक हैं : जानकी शरण अग्रवाल

गोटेगांव। विगत दिवस जानकी शरण अग्रवाल ने अपने निवास पर पत्रकार वार्ता आयोजित कर उनके परिवार पर लगाए गए आरोपों को निराधार और काल्पनिक बताया। उन्होंने कहा कि 30 मई को सुरेशचंद्र एवं सर्वेश अग्रवाल द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता झूठे तथ्यों पर आधारित थी और उसमें कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।जानकी शरण अग्रवाल ने दावा किया कि पारिवारिक संपत्ति का बंटवारा पूर्व में हो चुका है तथा संबंधित दस्तावेजों में हस्ताक्षर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि कृषि भूमि संबंधी मामला न्यायालय में विचाराधीन है और न्यायालय के आदेशों के बावजूद भूमि विक्रय किए जाने पर संबंधित पक्षों के विरुद्ध कार्रवाई चल रही है।उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ भूमाफिया परिवारों में फूट डालकर संपत्तियां कम कीमत पर खरीदने का प्रयास कर रहे हैं। अग्रवाल ने कहा कि उनके परिवार पर लगाए गए सभी आरोपों के समर्थन में कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है।नोटः उपरोक्त समाचार प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकी शरण अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत दावों और आरोपों पर आधारित है। मामले की अंतिम स्थिति न्यायालय एवं संबंधित जांच प्रक्रिया के निष्कर्षों पर निर्भर करेगी।k

प्रियंक कानूनगो का आगमन आज

नरसिंहपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली के माननीय सदस्य प्रियंक कानूनगो 02 जून 2026 को जिले के भ्रमण पर रहेंगे। आप दोपहर 03:30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक लेंगे। इस निर्धारित भ्रमण का उद्देश्य मानवाधिकार और समावेशी विकास से संबंधित प्रमुख विषयगत क्षेत्रों में क्रियान्वयन की स्थिति और जमीनी हकीकतों की व्यापक समीक्षा करना है।

प्रेस फोटोग्राफर संजय राय हुए सम्मानित

नरसिंहपुर। जिले में फोटोग्राफी के क्षेत्र में महारथ हासिल कर चुके फोटोग्राफर संजय राय को विगत अनेकों वर्षो से श्रेष्ठ फोटोग्राफी के लिए सम्मानित किया जा चुका है यह सम्मान संजय राय को उनकी लगन निस्वार्थ भाव से की जा रही मेहनत, कार्यक्रम किसी का भी हो कोई भी कार्यक्रम हो उपस्थिति देकर अपने कर्तव्यों का पालन मानदेय की लालसा के बगैर किया जाना, दशकों से जिले भर में सभी आयोजनों नेता, मंत्री, सांसद, विधायक, या अन्य किसी भी प्रकार के आयोजन हो संजय राय की उपस्थिति जरूर होंगी, इसी व्यवहार के चलते दर्जनों सम्मान से नवाजे जा चुके संजय राय को विगत दिवस होटल अतिथि में आयोजित नर्सिंग सिंगिंग स्टार्स ग्रुप के द्वारा सम्मानित किया गया।

लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने की कार्रवाई

5 हजार की रिश्वत लेते हुए पटवारी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

सरकार द्वारा भ्रष्टाचार पर लगाम लोगने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे है परन्तु भ्रष्टाचार कम होने का नाम नही ले रहा है जिले में रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त टीम रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही है लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला नरसिंहपुर जिले का है जहां पटवारी को अपने प्राइवेट ऑफिस में रिश्वत लेते जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किए जाने के निर्देश और पुलिस उप महानिरीक्षक लोकायुक्त मनोज सिंह के मार्गदर्शन में जबलपुर लोकायुक्त इकाई ने ट्रैप कार्यवाही की है।

भूमि नामांतरण के नाम पर मांगी रिश्वत

जबलपुर लोकायुक्त को संदीप कुमार पिता बलराम सिंह निवासी पड़रिया तहसील गोटेगांव ने शिकायत की थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी मां ममता देवी ने गोटेगांव के मुआर गांव में 29 अप्रैल 2026 को 7 एकड़ जमीन खरीदी थी। इस जमीन के नामांतरण के हल्का पटवारी घनश्याम गढ़वाल ने शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपए की मांग कर रहा था। इसकी शिकायत आवेदक ने पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त जबलपुर को किया। शिकायत सत्यापन के बाद पटवारी ने शिकायतकर्ता से 5000 रुपए की रिश्वत राशि लेने के लिए तैयार हो गया। जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने सोमवार को आरोपी घनश्याम गढ़वाल पटवारी हल्का नंबर 41 ग्राम मुरदई को शिकायतकर्ता से 5000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपी पटवारी के खिलाफ मामला दर्ज किया रहा है।

कटनी का रहने वाला है आरोपी

मिली जानकारी के अनुसार आरोपी पटवारी घनश्याम गढ़वाल पिता प्रेम शंकर गढ़वाल उम्र 39 वर्ष निवासी पंचमुखी हनुमान कॉलोनी तहसील बरही जिला कटनी का निवासी है। वर्तमान मे नरसिंहपुर जिले की गोटेगांव तहसील के पटवारी हल्का नंबर 41 ग्राम मुरदई में पदस्थ है। वहीं शिकायतकर्ता और उनकी मां नरसिंहपुर के गोटेगांव तहसील के रहने वाले है। लोकायुक्त की जबलपुर इकाई ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि अगर कोई अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो इसकी सूचना तुरंत लोकायुक्त कार्यालय को दें। ज्ञात हो कि लोकायुक्त द्वारा भ्रष्टाचारियों पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

बीते पखवाड़े मे स्टेनों हुआ था गिरफ्तार

जिले भ्रष्टाचारियों का बोल वाला बढ़ाता जा रहा है। आए दिन भ्रष्टाचार के मामले सामने आते रहते है। बिना रिश्वत के कार्य ना करना शासकीय कर्मचारियों की फितरत बनता जा रहा है। ज्ञात हो कि नरसिंहपुर जिले में लोकायुक्त जबलुपर की टीम ने 17 दिन पहले एसडीएम के स्टेनो को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथों पकड़ा था। आरोपी ने कॉलोनाइजर से कॉलोनी निर्माण का नक्शा प्रस्तावित करने के लिए एसडीएम तेंदूखेड़ा के स्टेनो सौरभ यादव के द्वारा उनसे 30000 रुपये रिश्वत की मांग की थी। जिस पर कार्रवाई की गई थी और एक पखवाड़े के बाद पटवारी को गिरफ्तार किया गया। इसके पूर्व नगर पालिका नरसिंहपुर मे पदस्थ इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया था। इससे प्रतीत होता है कि जिले मे भ्रष्टाचार का बोलवाला बढ़ रहा है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन के सहयोग से सेतु संस्था नरसिंहपुर द्वारा ठाकुर निरंजन सिंह आई टी आई संस्थान में युवाओं के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सेतु संस्था सचिव सुमित दुबे ने तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों को प्रभावी रूप से लागू करने के बारे में बताया। उन्होंने कहा इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम नोकोटिन और तंबाकू की लत के दुष्चक्र को तोड़ना रखी गई है। तंबाकू नियंत्रण केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व है। तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयास में युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक होना होगा तभी हम समाज को तंबाकू मुक्त बना सकते है। आई टी आई संचालक राकेश राजपूत ने कहा जैसा कि महात्मा गांधी कहते थे, वास्तविक धन स्वास्थ्य है, न कि सोना-चांदी। आइए हम अपने स्वास्थ्य को सर्वोपरि प्राथमिकता दें और तंबाकू मुक्त समाज की दिशा में कार्य करें। अगले सत्र में मध्यप्रदेश वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन द्वारा निर्मित आई ई सी सामग्री का वितरण कर उस पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में संस्था स्टाफ व युवा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईआईपीए टीम ने किया जिले का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

मध्य प्रदेश प्रशासन इकाई पुनर्गठन आयोग भोपाल के निर्देशानुसार इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आई.आई.पी.ए.) की टीम ने नरसिंहपुर जिले में कलेक्टर कार्यालय सहित तहसील नरसिंहपुर, करेली एवं गाडरवारा के विभिन्न विकासखंडों का भ्रमण किया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य प्रशासकीय इकाइयों की भौगोलिक परिस्थितियों का अध्ययन करते हुए जन अपेक्षाओं के अनुरूप जनोन्मुखी एवं सुलभ सुशासन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में जानकारी प्राप्त करना था। इस दौरान टीम ने प्रशासकीय इकाइयों के सेटअप, कार्यप्रणाली एवं सेवाओं के संचालन का भी अवलोकन किया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के साथ सोमवार को कलेक्टर चैम्बर में आई.आई.पी.ए. की टीम के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की प्रशासनिक इकाइयों की भौगोलिक परिस्थितियों, चुनौतियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

गिरदावरी का कार्य एक सप्ताह में पूर्ण करने का निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में गिरदावरी का कार्य एक सप्ताह में पूर्ण करने का लक्ष्य्य रखा गया है। जिससे मूंग एवं उड़द फसल के लिए किसानों का पंजीयन सुचारू रूप से किया जा सके। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में वर्तमान में जायद सीजन (वर्ष 2026-27) के लिए गिरदावरी का कार्य 21 मई 2026 से प्रारंभ हो चुका है। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने समीक्षा कर सभी एसडीएम को गिरदावरी का कार्य एक सप्ताह पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक 49 हजार 878 खसरों का क्षेत्रफल 45,827.941 हेक्टेयर पर गिरदावरी का कार्य पूर्ण हो चुका है। सभी एसडीएम तहसीलदार को गिरदावरी के कार्य की समीक्षा प्रतिदिन करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अमले को निर्देश दिए कि वे मैदानी स्तर पर मुस्तैदी से कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत गिरदावरी का कार्य सुनिश्चित करें, ताकि उपार्जन के लिए पंजीयन कराने में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

जिले के 1154 बूथों मे सुना गया मन की बात कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

भाजपा जिला संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें एपिसोड के अवसर पर एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक उपलब्धि हासिल की है। जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों के सभी 1154 बूथों पर कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया तथा प्रत्येक बूथ से संगठन ऐप के माध्यम से शत-प्रतिशत रिपोर्टिंग सुनिश्चित की गई इस उपलब्धि पर जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने जिले के सभी मंडल अध्यक्षों, बूथ अध्यक्षों एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता, अनुशासन और संगठन के प्रति समर्पण ही भाजपा की वास्तविक शक्ति है। सभी कार्यकर्ताओं के संयुक्त प्रयासों से जिले ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है, जो संगठन की मजबूती और कार्यकुशलता को दर्शाती है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 134वें एपिसोड में किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों, नवाचारों तथा देश के विकास में किसानों की भूमिका पर विशेष चर्चा की गई।

विधायक महेंद्र नागेश ने विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

गोटेगांव। गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक महेंद्र नागेश ने रविवार को विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर करोड़ों रुपए की लागत से होने वाले निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं शुभारंभ किया।विधायक ने ग्राम मेहगांव में सीसी रोड निर्माण कार्य, ग्राम गोरखपुर में मुक्ति धाम की बाउंड्री वॉल, सौंदर्यीकरण, सीसी रोड एवं पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य तथा ग्राम आलोद स्थित शांति आश्रम में बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया।इस अवसर पर विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और गांवों के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।ग्राम आलोद स्थित शांति आश्रम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक ने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक स्थलों का संरक्षण और विकास हमारी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करता है। आश्रम परिसर की सुरक्षा और सुव्यवस्था के लिए बाउंड्री वॉल निर्माण महत्वपूर्ण साबित होगा।कार्यक्रमों में मंडल अध्यक्ष, सरपंच, जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। विधायक ने सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।बेलखेड़ी शेड में विधायक ने कार्यकर्ताओं संग सुनी 'मन की बात'गोटेगांव। गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश ने करकबेल मंडल

अंतर्गत ग्राम बेलखेड़ी शेड (बूथ क्रमांक-181) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का श्रवण किया।कार्यक्रम में किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजकुमार गुमास्ता, मंडल अध्यक्ष भगवत पटैल, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, किसान एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में राष्ट्र निर्माण, जनभागीदारी, आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम को ध्यानपूर्वक सुना।इस अवसर पर विधायक महेंद्र नागेश ने कहा कि 'मन की बात' देशवासियों को प्रेरित करने वाला सशक्त माध्यम है, जो समाज में सकारात्मक बदलाव और जनसहभागिता को प्रोत्साहित करता है।कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने तथा राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

जन भावनाओं के अनुरूप नहीं हो रहा नाली निर्माण

रहवासियों में बढ़ रही नाराजगी

तेंदूखेड़ा

सड़क बिजली पानी नाली निर्माण लोगों की सुविधा के लिए ही कराये जाते हैं। लेकिन जन सुविधाओं को नजरंदाज कर यदि निर्माण कार्य होने लगते हैं तो निश्चित तौर पर लोगों की नाराजगी सामने आने लगती है।ऐसा ही एक उदाहरण सहजपुर तेंदूखेड़ा नव निर्माण मार्ग पर सड़क किनारे बनाई जा रही नाली को लेकर स्थानीय रहवासियों ने आपत्ति जताई है। और आने वाले समय में लोगों की परेशानियां बढ़ेगी।आरोप है कि सड़क के बाजू में बनाई जा रही नाली सीसी रोड ढलने के बाद लगभग 3 से साढ़े

फीट ऊंची दीवार खड़ी की जा रही है। जिससे नाली की ऊंचाई आसपास के कई मकानों के दरवाजों से भी अधिक हो गई है। पीड़ित वर्ग का कहना है कि यदि नाली का निर्माण इसी स्तर पर किया गया तो बरसात के दौरान घरों से

पानी की निकासी प्रभावित हो सकती है और जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है। रहवासियों ने यह भी आशंका जताई है कि ऊंची दीवार के कारण मकानों तक पहुंचने में भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।और घर के अंदर जाने के लिए रोड पर ही सीढ़ियां बनाना पड़ेगी तब कहीं भुगतान जाकर घर के अंदर प्रवेश हो पाएंगे जिससे आने जाने वाले वाहनों में भी परेशानी हो सकती है। प्रभावित परिवारों ने निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराते हुए नाली की डिजाइन और ऊंचाई का पुनर्मूल्यांकन करने की मांग की है। उनका कहना है कि निर्माण कार्य ऐसा हो जिससे सड़क की जल निकासी भी बनी रहे और लोगों के घरों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मौके का निरीक्षण कर उचित समाधान निकालने की मांग की है। ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

अग्रवाल महिला मंडल ने नर्मदा घाट पर किया प्रसादी वितरण

तेंदूखेड़ा

इन दिनों पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर जगह-जगह धार्मिक आध्यात्मिक सेवा भावी आयोजन जारी है।इसी श्रंखला के चलते अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा महिला इकाई संगठन तेंदूखेड़ा द्वारा ग्राम बिल्थारी के पावन नर्मदा घाट पर पूजन अर्चन अभिषेक दीपदान किया गया तथा वहां पर उपस्थित श्रद्धालुओं को हलवा पुरी जलेबी लड्डू पेड़ा एवं ठंडे पेय का वितरण किया गया ।इस मौके पर महिला इकाई की जिला संगठन मंत्री सुजाता गुप्ता नगर अध्यक्ष श्रीमती श्रद्धा अग्रवाल कोषाध्यक्ष श्रीमती रेखा अग्रवाल मीडिया प्रभारी श्रीमती आराधना अग्रवाल श्रीमती छाया अग्रवाल श्रीमती कीर्ति अग्रवाल एवं नगर परिषद वार्ड क्रमांक 02 की पार्षद सरला अग्रवाल की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।

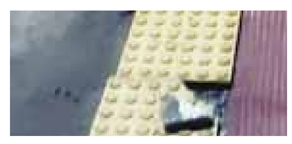

श्रीधाम रेलवे स्टेशन पर टूटी टाइल्स बनीं खतरा

गोटेगांव। श्रीधाम रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर दृष्टिबाधित यात्रियों की सुविधा के लिए लगाई गई पीली टैक्टाइल टाइल्स टूटकर बिखर गई हैं। कई स्थानों पर टाइल्स उखड़ चुकी हैं, जिससे प्लेटफॉर्म की सतह असमान हो गई है।दृष्टिबाधित यात्रियों के लिए बढ़ा खतराये टाइल्स नेत्रहीन यात्रियों को प्लेटफॉर्म के किनारे की जानकारी देने के लिए लगाई जाती हैं। इनके क्षतिग्रस्त होने से दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। बुजुर्गों, बच्चों और सामान्य यात्रियों को भी ठोकर लगने की आशंका बनी हुई है।तत्काल मरम्मत की मांगस्थानीय यात्रियों ने कहा कि स्टेशन पर सौंदर्यीकरण कार्यों की चर्चा तो हो रही है, लेकिन सुरक्षा से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी की जा रही है। यात्रियों ने डीआरएम जबलपुर और स्टेशन प्रबंधन से शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है।

छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन निर्माण के जल्द आयेंगे सुखद परिणाम-उदय प्रताप सिंह

न्यूज करेली। क्षेत्र की दशा व दिशा बदलने वाली महत्वाकांक्षी रेल परियोजना छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन के निर्माण की दशकों पूर्व से क्षेत्रवासी मांग करते आ रहे हैं। जिसे लेकर सर्वे का कार्य भी वर्षों पूर्व पूर्ण हो चुका है और अब जिसे अमलीजामा पहनाने की जरूरत है। शनिवार सुबह मध्य प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के गृह ग्राम लोलरी स्थित आवास में तेंदूखेड़ा एवं करेली क्षेत्र के जागरूक जनों द्वारा छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन निर्माण हेतु माननीय मंत्री जी से सक्रिय पहल की अपेक्षा किए जाने का आग्रह किया गया। तत्संबंध में मंत्री श्री राव ने कहा कि छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन के निर्माण को लेकर उन्होंने सांसद रहते हुए हरसंभव प्रयास किए थे और इस दिशा में जो मेहनत की है, भविष्य में उसके सुखद परिणाम आएंगे। कहा यह बड़ी परियोजना है, जिसमें अनेकों व्यवहारिक कठिनाइयां होती हैं, जिसके चलते ऐसी बड़ी परियोजनाओ को मूर्तरूप लेने में समय लगता है। मंत्री श्री राव की सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद एक बार पुनः छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन निर्माण को लेकर आस जगी है। उक्त रेल लाइन के निर्माण से जहां उत्तर से दक्षिण की दूरी कम होगी, वही क्षेत्र के विकास के द्वार खुलेंगे। विदित हो कि करेली जिला नरसिंहपुर के रास्ते छिंदवाड़ा से सागर होकर जाने वाली रेलवे लाइन का सर्वे कम्पलीट हो गया है जिसमे कुल 28 रेलवे स्टेशन बनना है जिसमे 279.37 किलोमीटर में 4 रेल स्टेशन छिंदवाडा, करेली, मकरोनिया, सागर पहले से बने है 24 नये स्टेशन बनना है यह सर्वे रेलवे की पिंक बुक में दर्ज है नया डीपीआर भी बन गया है जिस पर बजट का आवंटन होना शेष है। यह मार्ग गौड़वाना व बुंदेलखंड के विकास के नये द्वार खोलेगा। सागर, दमोह, होशंगाबाद, छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र के शहरी ग्रामीण अंचल से होकर गुजरने वाली विकास में मील का पत्थर साबित होने वाली व सागर-नरसिंहपुर-छिंदवाड़ा जिले को जोड़ने वाली प्रस्तावित छिंदवाड़ा करेली देवरी सागर रेल लाइन की मांग 1970 से हो रही है संसद में अनेक बार जनप्रतिनिधि इस मांग को उठा चुके है। इस मार्ग के बनने से नागपुर के रास्ते दक्षिण जाने एवं राजधानी दिल्ली की दूरी भी कम हो।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एजेंसी देना है
नरसिंहपुर जिले के अंतर्गत करकबेल, बोहानी, चीचली, बरमान में हरिभूमि अखबार की एजेंसी देना है इच्छुक व्यक्ति सुरक्षा निधि के साथ संपर्क करें।
हरिभूमि कार्यालय
प्लाट नं. 66/1 इंडस्ट्रियल एरिया,रिछाई जबलपुर (म.प्र)
मोबाइल नंबर
9340637789
9479623424